हिन्दी मिलाप

एनआईआरडीपीआर में पीएमएवाई-जी मॉडल आवास का उद्घाटन करते केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह। साथ में संस्थान के महानिदेशक डॉ. जी. नरेंद्र कुमार व अन्य।

Hindi Milap Edition
Jul 1, 2022 Page No. 10
Powered by : eReleGo.com

मिट्टी के साथ विभिन्न अनुपातों में फ्लाई-ऐश के मिश्रण के विकल्पों का पता लगाएं : गिरिराज सिंह

केंद्रीय मंत्री ने एनआईआरडीपीआर में पीएमएवाई-जी मॉडल हाउस का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायतीराज मंत्री गिरिराज सिंह ने आज राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायतीराज संस्थान का दौरा किया और एनआईआरडीपीआर परिसर में ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क (आरटीपी) में निर्मित पीएमएवाई-जी मॉडल हाउस का उद्घाटन किया। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री ने उनके घर की गुणवत्ता और मानकों का त्याग किए बिना मॉडल हाउस की विभिन्न विशेषताओं, निर्माण में उपयोग की जाने वाली विभिन्न टिकाऊ आवास प्रौद्योगिकियों और लागत प्रभावशीलता के बारे में बताया। उन्होंने एक परिवार की रोशनी और खाना पकाने की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, इस घर के हिस्से के रूप में स्थापित नेट मीटरिंग के साथ ऑन-ग्रिड से जुड़ी टू के. डब्लू. रूफ-टॉप सोलर यूनिट के बारे में भी बताया। यह घर विभिन्न योजनाओं के अभिसरण के तहत प्रदान की जा सकने वाली सुविधाओं को भी प्रदर्शित करता है, जिसमें जल जीवन मिशन के तहत पाइप से पेयजल, जल शक्ति अभियान के तहत रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग और स्वच्छ भारत मिशन के तहत सोक पिट शामिल हैं।

श्री सिंह ने आगे आरटीपी में कंप्रेस्ड मड ब्लॉक प्रोडक्शन यूनिट का दौरा किया और इसमें शामिल प्रक्रिया, गुणवत्ता और उत्पादन की लागत के संबंध में प्रोडक्शन टीम के साथ बातचीत की। उन्होंने ईंटों को बनाने में अधिक फ्लाई-ऐश का उपयोग करने पर जोर दिया, जो पर्यावरण के अनुकूल और लागत प्रभावी है। मंत्री ने एनआईआरडीपीआर टीम को लागत को कम करने और इसे आम आदमी के लिए वहनीय बनाने के लिए मिट्टी के साथ विभिन्न अनुपातों में फ्लाई-ऐश के मिश्रण के विभिन्न विकल्पों का पता लगाने के लिए कहा। डॉ. जी. नरेंद्र कुमार, आईएएस, महानिदेशक एनआईआरडीपीआर ने ग्रामीण विकास और पंचायती राज क्षेत्र में एनआईआरडीपीआर की विभिन्न गतिविधियों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें देश भर में पंचायतों की क्षमता के निर्माण में समर्थन शामिल है। एनआईआरडीपीआर के संकाय के साथ अपनी बातचीत के दौरान मंत्री ने स्थानीय स्तर पर राजस्व उत्पन्न करने और लंबे समय में आत्मनिर्भर बनने के लिए पंचायतों को प्रशिक्षित करने और मार्गदर्शन करने के तरीकों पर काम करने का सुझाव दिया। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंह की उपस्थिति में एनआईआरडीपीआर और एनएसआईसी (राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम), एमएसएमई के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन का दायरा एमएसएमई क्षेत्र में बेरोजगार युवाओं और एसएचजी के बीच कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करना और नवाचारों और डिजाइनिंग का समर्थन करना है।

HINDI MAHAVIDYALAYA

हिन्दी मिलाप

एनआईआरडीपीआर में पीएमएवाई-जी मॉडल आवास उद्घाटित

हैदराबाद, 30 जून-(मिलाप ब्यूरो)

केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने आज राजेंद्रनगर स्थित राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान का दौरा किया। उन्होंने यहाँ स्थित ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क में निर्मित पीएमएवाई-जी मॉडल आवास का उद्घाटन करते हुए किफायती तथा सुलभ आवास प्रौद्योगिकियों पर विशेष रूप से बल दिया।

गिरिराज सिंह ने कहा कि कहा कि यह मॉडल हाउस विभिन्न किफायती और उपयुक्त आवास प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करता है। इस प्रारूप को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में लागत प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल घरों के निर्माण में दोहराया जा सकता है। सभी को आवास प्रदान करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत सरकार ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना आरंभ की है। केंद्रीय मंत्री ने आरटीपी स्थित कंप्रेस्ड मड ब्लॉक उत्पादन इकाई का दौरा किया। इस दौरान उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता और उत्पादन की लागत के संबंध में संबंधित टीम के साथ चर्चा की। यहाँ उन्होंने पर्यावरण अनुकूल और लागत प्रभावी ईंटों को तैयार करने में फ्लाई-ऐश का अधिक उपयोग करने पर जोर दिया। साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान टीम को लागत कम करने और आम आदमी के लिए इस प्रकार की ईंटों को वहनीय बनाने के लिए मिट्टी के साथ विभिन्न अनुपातों में फ्लाई-ऐश के सम्मिश्रण के विभिन्न विकल्पों का पता लगाने का परामर्श दिया। उन्होंने स्थानीय स्तर पर राजस्व उत्पन्न करने और भविष्य में आत्मनिर्भर बनने के लिए पंचायतों को प्रशिक्षित करने और उनके मार्गदर्शन का भी परामर्श दिया।